Department of Chemistry
C.M.P. Degree College, Allahabad

A Constituent P.G. College of University of Allahabad

One day National Workshop
on
"The Present Scenario and Challenges of the Environment"

Organized by
Department of Chemistry
C.M.P. Degree College

Date : 16th November 2018
Venue : Dr. Pyarelal Auditorium
Time : 10:00 am to 4 pm

Ch. Jitendra Nath Singh
President, Kayastha Pathshala

Dr. Brijesh Kumar
Principal
C.M.P. Degree College

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 16 दिसम्बर 2018 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की रिपोर्ट

डा0 प्रमोद कुमार

रसायन विज्ञान विभाग के द्वारा "पर्यावरण की वर्तमान स्थिति एवं चुनौतियाँ" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यशाला चार सत्रों में सम्पन्न हुई।

उद्घाटन सत्र— संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि सी0एम0पी0 कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ0 आनंद कुमार श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि डॉ0 अशोक रंजन सक्सेना (संस्थापक केमिकल सोसाइटी), डॉ0 सुनीलकांत मिश्रा (वित्त अधिकारी इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद), डॉ0 अनिल कुमार शुक्ला (चेयर पर्सन), डॉ0 भूपेन्द्र कुमार (कलक्टर) एवं प्राचार्य डॉ0 बृजेश कुमार के द्वारा किया गया।

दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम औपचारिक रूप से आरम्भ हुआ।

अतिथियों का परिचय कालेज के कुलानुशासक डॉ0 संतोष कुमार श्रीवास्तव ने कराया एवं अतिथियों का स्वागत विभाग के डॉ0 धर्मेन्द्र कुमार साहू, डॉ0 अकरम अली डॉ0 दीपांजली पाण्डेय, डॉ0 मोनिका सिंह, डॉ0 अर्जिता श्रीवास्तव, हिमानी चौरसिया एवं डॉ0 रंजीत कुमार ने किया

कार्यक्रम का विषय परवर्तन विभाग की संयोजिका डॉ0 अर्चना पाण्डेय ने किया।

केमिकल सोसाइटी की स्थापना एवं इसके उद्देश्यों के बारे में सोसाइटी के सचिव डॉ0 सुनन्दा दास ने विस्तार से बताया।

मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ0 आनन्द कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज मनुष्य प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने में पिछड़ गया है इसलिए प्रकृति के पंचमहाभूत (पृथ्वी, जल, आकाश, अग्नि एवं वायु) आज प्रदूषित हो गये हैं। भारतीय जीवन शैली प्रकृति के साथ जीने की सीख देती है।

विशिष्ट वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ0 सुनीलकांत मिश्रा ने भी गाँव के जीवन को याद करते हुए अपने अनेकों संस्मरण साझा किये। लगातार कम हो रहे वनों, पेड़, पौधों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि पर्यावरण को बचाना है तो हर किसी को कम से कम एक वृक्ष लगाना होगा।

विशिष्ट अतिथि डॉ0 अशोक रंजन सक्सेना ने कहा कि पर्यावरण के संकट को देखते हुए उच्च शिक्षण संस्थानों में बैठे प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों एवं शोध छात्रों की जिम्मेदारी बनती है कि ऐसे शोध करें कि पर्यावरण के संकटों से निपटने में मदद मिल सके।

विशिष्ट अतिथि डा0 भूपेन्द्र कुमार ने कहा कि मनुष्य अपने तात्कालिक लाभ को भूलकर अपनी आने वाली पीढ़ियों को ध्यान में रखकर यदि कोई काम करेगा तो पर्यावरण जरूर सुरक्षित रहेगा।

इस कार्यशाला के चेयर पर्सन डॉ0 अनिल कुमार शुक्ला ने कहा कि जीवन दायिनी नदियों के लिए पॉलीथीन एक बड़ी समस्या बनी हुई है। संगोष्ठी में उपस्थिति प्रतिभागियों को पॉलीथीन का उपयोग न करने एवं दूसरों को भी जागरूक करने को कहा।

कार्यक्रम अध्यक्ष कालेज के प्राचार्य डॉ0 बृजेश कुमार ने कहा कि आज स्कूल स्तर से ही पर्यावरण को एक विषय के रूप में बच्चों को पढ़ाया जा रहा है बावजूद उसके दिनोंदिन पर्यावरण संकट बढ़ता ही जा रहा है। जल, जंगल, जमीन, जन,

जानवर का परस्पर पोषण होगा तभी पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

रसायन विज्ञान विभाग की केमिकल सोसाइटी द्वारा कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ० आनन्द कुमार श्रीवास्तव, डॉ० अशोक रंजन सक्सेना, डॉ० भूपेन्द्र कुमार एवं डॉ० सुशीलकांत मिश्रा को एवार्ड आफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वाले महानुभावों के जीवन वृत का वाचन, केमिकल सोसाइटी की जनरल सेक्रेटरी डॉ० सुनीता दास, एवं सम्मान विभाग संयोजिका डॉ० अर्चना पाण्डेय, डॉ० रोली श्रीवास्तव, डॉ० मृदुला त्रिपाठी, डॉ० दीपा श्रीवास्तव, डॉ० अभिषेक श्रीवास्तव, डॉ० अनिल कुमार शुक्ला एवं डॉ० आरती गुप्ता ने किया।

प्रथम टेक्निकल सत्र:—

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में वक्ता के रूप में प्रयागराज के मुख्य वन संरक्षक डॉ० राजीव मिश्रा, पूर्व वन संरक्षक अधिकारी श्री देवानन्द चौधरी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मीडिया स्टडीज के डॉ० धनंजय चोपड़ा एवं इंडिया विंक कार्डीसिल (दिल्ली) के अध्यक्ष सौरभ पाण्डेय ने व्याख्यान दिये। सत्र की अध्यक्षता रसायन विभाग से अवकाश प्राप्त डॉ० ओम प्रकाश ने की।

मुख्य वन संरक्षक डॉ० राजीव मिश्रा ने कहा कि वन विभाग अभियान चलाकर वृक्षारोपण करा रहा है, लेकिन पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सभी को पेड़ लगाना चाहिए।

श्री देवानंद चौधरी ने कहा कि पर्यावरण संकट का मुख्य कारण अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि एवं विकास की नीतियां बनाते समय पर्यावरण को नजरअंदाज करना है।

डॉ० धनंजय चोपड़ा ने भी पर्यावरण को बचाने के लिए लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ मीडिया की सकारात्मक भूमिका के प्रभाव पर चर्चा की।

सत्र के अंत में सौरभ पाण्डेय ने भी कार्बन के उत्सर्जन पर चर्चा की। सभी विशिष्ट वक्ताओं को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

द्वितीय टेक्निकल सत्र :—

सी०एम०पी० कालेज सहित एस०एस० खन्ना, बी०एस०आई इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के 30 से अधिक प्रोफेसर एवं शोध छात्रों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

द्वितीय टेक्निकल सत्र के बाद अल्पाहार का भोजन अवकाश किया गया।

समापन सत्र:—

समापन सत्र में मैच कर विभाग की संयोजिका डॉ० अर्चना पाण्डेय, डॉ० सुनीता दास, डॉ० संतोष श्रीवास्तव, डॉ० रोली श्रीवास्तव, डॉ० बबिता अग्रवाल, डॉ० मृदुला त्रिपाठी ने अपने विचार व्यक्त किये। सभी का मानना था कि पर्यावरण बचाने के लिए सरकार को ही नहीं, वरन् आम आदमी को अपने स्तर से प्रयास करना होगा।

उक्त कार्यशाला में सी०एम०पी० सहित प्रयाग के अन्यान्य शैक्षिक संस्थाओं के 350 प्रोफेसर एवं शोध छात्रों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यशाला के संयोजक डॉ० प्रमोद कुमार ने किया।

धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के सचिव डॉ० अक्रम अली ने किया।

विशेष आकर्षण:—

विभाग की संयोजिका डॉ० अर्चना पाण्डेय की तरफ से प्रतिभागियों को लगभग 350 पौधे भेंट किये गये।